an>

Title: Need to issue instruction to the banks to give loan to the unemployed youth of Buldhana Parliamentary Constituency of Maharashtra under MUDRA Scheme.

श्री प्रतापराव जाधव (बुलढाणा) : उपाध्यक्ष महोदय, 15 अगस्त, 2015 को हमारे माननीय पंत प्रधान जी ने मुद्रा लोन कार्यक्रम घोषित किया और पूरे देश में लागू भी किया। शिशु, किशोर और तरूण - इन तीन नामों से यह योजना जाहिर की गयी। शिशु में 50,000 रुपये तक, किशोर योजना में पांच लाख रुपये तक और तरूण योजना में दस लाख रुपये तक का लोन बिना किसी मॉर्गेज के, बिना किसी गारन्टी के बेरोजगार युवाओं को दिया जाएगा। यह सुनकर पूरे देश के बेरोजगार युवा खुश हुए। आज पूरे देश में बेरोजगारों की संख्या दिनों-दिन बढ़ती जा रही है, नौकरी मिलती नहीं है और अगर हम कुछ काम करना चाहें, अपना व्यवसाय खोलने के लिए जाएं तो हमारे पास भांडवल नहीं होने की वजह से काम रुक जाता है, तो मुद्रा लोन की वजह से सब लोग अपने कन्धे पर अपने परिवार का भार उठाने में सक्षम हो जाएंगे। लेकिन मैं बहुत खेद के साथ कहना चाहूंगा कि जो मुद्रा लोन बैंक के माध्यम से मिल रहा है, उसमें बैंक अधिकारियों का जो रवैया है, उन्होंने हर बैंक से यह मुद्रा लोन देना बन्द कर दिया है। अगर कोई अर्जी लेकर जाता है तो उसको कहा जाता है कि हमारा टारगेट खत्म हो गया। पंत प्रधान जी ने जब यह योजना जाहिर की थी तब कभी ऐसा नहीं बताया गया था कि किसी ब्रांच या किसी बैंक को इतना ही टारगेट रहेगा, उस समय यह नो लिमिट टारगेट का प्रोग्राम था। अभी तक इसमें जो केसेज हुए हैं, वे ज्यादातर शिशु योजना में ही हुए हैं, जिसमें किसी को 25 हजार रुपये, किसी को 30 हजार रुपये और किसी-किसी को दस हजार रुपये भी लोन दिया गया है। इतने पैसे से न तो उन लोगों का कोई कारोबार शुरू हो सका, न उन लोगों के जीवन में कोई परिवर्तन आ सका। मैं जिस क्षेत्र से आता हूं, बुलढाना जिला बहुत पिछड़ा हुआ है, कोई बड़ा शहर नहीं हैं, वहां कोई बड़े उद्योग नहीं हैं। वहां के बहुत से युवाओं ने हर बैंक शाखा में मुद्रा लोन के लिए अर्जी दी, लेकिन कोई भी बैंक उन तरूण बेरोजगार लोगों को मुद्रा स्कीम के माध्यम से 50 हजार से लेकर पांच लाख या पांच लाख से लेकर दस लाख रुपये तक लोन देने के लिए तैयार नहीं हैं।

मैं सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि मुद्रा लोन को सही ढंग से लागू करने के लिए बैंकों की भूमिका को सही किया जाए और उन्हें नवयुवकों को आवश्यक लोन देने के लिए निर्देश दिया जाए। किस बैंक ने कितना लोन दिया, इसकी समीक्षा की जाए। इसी के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Bhairon Prasad Mishra and Shri P.P.Chaudhary are permitted to associate with the issue raised by Shri Prataprao Jadhav.